शांतिवन परिसर में वैश्विक शिखर सम्मेलन के चौथे दिन खुले सत्र में...

वैज्ञानिक मंगल पर जीवन के साथ, जीवन में मंगल पर करें अनुसंधान : प्रतापचंद्र सारंगी

सम्बोधित करते हुए केन्द्रीय राज्य मंत्री प्रतापचन्द्र सारंगी। मंचासीन ब्र.कु. चन्द्रकला, बहन कोथई दिनाकरण, डॉ. रानी बंग, राज्यमंत्री सुखदेव पांसे, ब्र.कु. शुक्ला दीदी तथा ब्र.कु. मृत्युंजय।

शांतिवन। वैश्विक शिखर सम्मेलन के चौथे दिन के कार्यक्रम में केन्द्रीय राज्य पशुधन विकास, लघु, मध्यम उद्योग मंत्री प्रतापचन्द्र सारंगी ने कहा कि मैं वैज्ञानिकों को कहना चाहूंगा कि मंगल में जीवन पर अनुसंधान करें, लेकिन साथ ही जीवन में मंगल है कि नहीं इस पर भी अनुसंधान करें। दुनिया में आज सबसे ज़्यादा सद्भावना, शांति और प्रेम की ज़रूरत है, जो अध्यात्म से ही आएगी। उन्होंने कहा कि यूरोप में विज्ञान और अध्यात्म में प्रतिस्पर्धा है। हमारे देश में विज्ञान और अध्यात्म साथ चलते हैं, वह एक दूसरे के पूरक हैं। विज्ञान बहुत गहरी रिसर्च है, इससे हम भौतिक तरक्की कर रहे हैं, पर खुद को जानना अध्यात्म है। हम दुनिया को तो जान रहे हैं लेकिन खुद को नहीं जान रहे हैं। साथ ही पर्यावरण संरक्षण पर भी ज़ोर दिया। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री सुखदेव पांसे,म.प्र. सरकार ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ स्वर्णिम भारत की परिकल्पना को साकार कर रहा है।

अधिकारों और कर्त्तव्यों के प्रति जागरुक रहना होगा - अरुणा रॉय

इस मौके सामाजिक कार्यकर्ता व मजदूर किसान शक्ति संगठन की संस्थापक अरुणा रॉय ने कहा कि यदि समाज में व्यवस्था बिगड़ रही है तो उसमें हम भी भागी हैं। क्योंकि हम अपने अधिकारों और कर्त्तव्यों के प्रति जागरुक नहीं होते हैं तो व्यवस्था बिगड़ती है। सही व्यवस्था के लिए सत्ता में पारदर्शिता ज़रूरी है। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि अपने अधिकारों के लिए लड़ें। चुप रहकर सहन नहीं करें।

उ.प्र. भोजपुर विधायक सहित कई हस्तियों ने किया सम्बोधित

इस मौके उत्तर प्रदेश के भोजपुर विधायक नागेन्द्र सिंह राठोड़, ओडिशा कटक अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक महेन्द्र प्रताप, श्रीरामलिंगा मिल प्रबंध निदेशक कोथई दिनाकरण, ब्रह्माकुमारी संस्था के चिकित्सा सेवा प्रभाग सचिव ब्र.कु. बनारसी शाह, विज्ञान व तकनीकी प्रभाग के मुख्यालय संयोजक ब्र.कु. भरत ने भी अपने विचार व्यक्त किये। मंच संचालन वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका ब्र.कु. चन्द्रकला ने किया।

नशे की लत से आध्यात्मिकता में लाना चुनौती : डॉ. रानी बंग

सर्च संगठन की संस्थापक पद्मश्री डॉ. रानी बंग ने कहा कि नशे की लत में जकड़ें समाज को आध्यात्मिकता की शरण में लाने का चुनौती भरा कठिन कार्य है। नक्सल प्रभावित महाराष्ट्र के गढ़चिरोली क्षेत्र में ब्रह्माकुमारी संस्था के साथ मिलकर नशामुक्ति, स्वास्थ्य, तंदुरुस्ती से लेकर लोगों के चरित्र निर्माण का कार्य किया जा रहा है।

पाँच दिवसीय सम्मेलन के दौरान...

- 150 से अधिक मंत्री, सांसद, विधायक और सामाजिक कार्यकर्ता पहुंचे
- भजन सम्राट अनुप जलोटा ने मधुर स्वर लहरियों से बिखेरा संगीत का जादू
- 250 कलाकारों ने सुंदर पेंटिंग्स बनाकर अपनी कला का किया प्रदर्शन
- स्वर्णिम संस्कृति की चैतन्य झाँकी और संस्थान द्वारा 83 वर्षों से की जा रही ईश्वरीय सेवाओं की सचित्र विशाल प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

शिखर सम्मेलन में देश विदेश से आये महानुभावों एवं विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के संस्थापकों को मोमेन्टो देकर सम्मानित किया गया...

लक्ष्मी अग्रवाल,फाउण्डर,स्टॉप सेल एसिड,दिल्ली को मोमेन्टो देकर सम्मानित करते हुए राजयोगी ब्र.कु. मृत्युंजय, केन्द्रीय जल संसाधन मंत्री अर्जुनराम मेघवाल तथा महंत बालानाथ योगी,सांसद,अलवर।

संतोष भारतीय,एडिटर इन चीफ,चौथी दुनिया,नोएडा को मोमेन्टो देकर सम्मानित करते हुए संस्थान की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी।

अमीश देवगन,ग्रुप एडिटर,नेटवर्क18 नोएडा को मोमेन्टो देकर सम्मानित करते हुए संस्थान के कार्यकारी सचिव राजयोगी ब्र.कु. मृत्युंजय तथा केन्द्रीय जल संसाधन मंत्री अर्जुनराम मेघवाल।

सेंट्रल लॉ मिनिस्टर रविशंकर प्रसाद को मॉडल द्वारा आने वाले स्वर्णिम भारत के बारे में बताते हुए शिक्षा प्रभाग की मुख्यालय संयोजिका ब्र.कु. शिविका।

बीना राव,प्रसिद्ध समाजसेवी,सुरत को मोमेन्टो देकर सम्मानित करते हुए संस्थान की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी।

आर्कबिशप बारबरा ग्रे बर्क,स्पीरिचुअल हेड,त्रिनिदाद को ईश्वरीय स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित करते हुए ब्र.कु. सुदर्शन बहन। साथ हैं ब्र.कु. सुमन बहन।

हसीना खर्भीह,फाउण्डर,इम्पल्स एन.जी.ओ. नेटवर्क, शिलॉन्ग को मोमेन्टो देकर सम्मानित करते हुए संस्थान की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी।

भजन सम्राट अनुप जलोटा मधुर स्वर लहरियों द्वारा सुंदर भजनों की प्रस्तुति देते हुए। साथ हैं उनके साथी कलाकार।

केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री जी. किशन रेड्डी को संस्थान द्वारा 83 वर्षों से की जा रही आध्यात्मिक सेवाओं की विशाल चित्र प्रदर्शनी का अवलोकन कराते हुए ब्र.कु. बुरहान। साथ हैं ब्र.कु. शिविका।

शीना चौहान,एम्बेसडर,यूथ ह्युमन राइट्स,साउथ एशिया,मुम्बई को मोमेन्टो देकर सम्मानित करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. कानन,कोलकाता।

डेज़र्ट रोज़ ग्रुप,साउथ अफ्रीका के कलाकार हिन्दी में गीतों एवं मंत्रों की सुंदर प्रस्तुति देते हुए।

तैफुर गैबाटो,जनरल डायरेक्टर,दीवा कम्पनी,रशिया को सम्मानित करते हुए राजयोगी ब्र.कु. मृत्यंजय।